Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur

Answer Script Details
Barcode 7132154

Roll No. 23262000041
Total Mark 48/75.00

Exam BACHELOR OF ARTS_DEC-2023
Subject A320101T - INTRODUCTION TO INDIAN MUSIC

Question wise Mark Summary

Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark
1A	4/5						
1B	4/5						
1C	3/5						
1D	3/5						
1E	4/5						
1F	3/5						
1G	2/5						
1H	1/5						
1I	3/5						
2	0/15						
3	0/15						
4	11/15						
5	0/15						
6	0/15						
7	0/15						
8	10/15						
9	0/15						

Date of Exam 26/12/2023 Shift Ist Room No. 16
Paper Code A320101T Subject Music Vocal Year/Sem Ist
Name of Candidate AKANKSHA SONI
Roll No. 23262000041

COE Facsimile

Signature of Invigilator

Signature of Candidate

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University
Kanpur, Uttar Pradesh

PART-II

MARKS OBTAINED

Q.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(a)										
(b)										
(c)										
(d)										
(e)										
(f)										
(g)										
(h)										
(i)										
(j)										
Total										

Total Marks in Figures — Max. Marks

Total Marks in Words

A320101T
Paper Code

Signature of Evaluator

Course BA Fine Arts and Performing Art
Session 2023-24 Year/Semester Ist
Subject Name Music Vocal
Medium English ○ Hindi ●

Paper Code
A320101T

Exam Date
26122023

Name of Candidate
AKANKSHA SONI

Father's Name
LUXMI KANT

महाविद्यालय का कोड
College Code
KN015

परीक्षा केन्द्र का कोड
Exam Centre Code
KN015

परीक्षा का प्रकार
Type of Exam
संस्थागत Regular ● भूतपूर्व परीक्षार्थी Ex- Student ○
व्यक्तिगत Private ○ बैक पेपर परीक्षा Back Paper Exam ○

ANSWER BOOKLET NO.
7132154

A320101T
Paper Code

नामांकन संख्या
Enrollement Number C S J M A 2300011 6349

परीक्षार्थी अनुक्रमांक संख्या Candidate's Roll Number
23262000041

पेपर कोड Paper Code
A320101T

Signature of Candidate

Signature of Invigilator

C S Facsimile

COE Facsimile

नोट- 1. परीक्षार्थी को निर्देशित किया जाता है कि आवरण पन्ने के पृष्ठ भाग पर अंकित सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ें।
2. बॉक्स में भरी जाने वाली प्रविष्टियाँ बायीं तरफ से शुरू की जायें। 3. गोलों को काले या नीले बॉलपेन से भरा जायें।

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-I

1. Read the instructions carefully given on the answer script and admit card.
2. Write Date of Exam, Shift, Paper Code & Name of Subject Correctly.
3. Write Name & Roll No. Correctly.
4. Write Semester & Branch Correctly.

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-III

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in ☐ boxes.
2. Carefully study the example before you start marking.
3. As shown in the example below, blacken thecircles completely.

Correct Method	Incorrect Method
① ● ③ ④	✓ ✗ ◉ ④

4. Make no Stray marks o n this sheet.

5. DO NOT WRITE OR MARK ON THE BAR CODE.

IN ORDER TO AVOD UFM (UNFAIR MEANS) :

1. The Roll No. and Answer Book no. found elsewhere or any other symbol found in the answer book will be treated as unfair means.
2. Any tempering of Bar Code and Booklet no shall be treated as Unfair Means.
3. Do Not bring the materials like slip of paper/mobile/digital diaries/ study material/ revision notes in examination hall. Possession of the mobiles/ digital diaries/electronic/digital/ watch and any other electronic gadget except memory less scientific calculator shall be considered as UFM case.
4. Do not keep or paste currency note in answer script it shall be consider as UFM.

अनुचित साधन से बचने हेतु :

1. उत्तर पुस्तिका के निर्धारित स्थान को छोड़कर अनुक्रमांक एवं उत्तरपुस्तिका का क्रमांक कहीं और न लिखें तथा कोई भी चिन्ह न बनायें क्योंकि यह अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।
2. उत्तर पुस्तिका के बारकोड अथवा उत्तर पुस्तिका संख्या पर छेड़ छाड़ करने पर अनुचित साधन प्रयोग माना जायेगा।
3. परीक्षा कक्ष में निम्न वस्तुएं साथ न लायें, जैसे लिखे हुए कागज के टुकड़े, मोबाइल, डिजिटल डायरी, डिजिटल वॉच, कॉपी, पुस्तक यह सभी वस्तुएं जो अनुचित साधन के अन्तर्गत आती है। केवल मेमोरीलेस साइंटिफिक कैलकुलेटर ही परीक्षा कक्ष में ले जाने की अनुमति होगी।
4. उत्तर पुस्तिकाओं में रुपये न रखें न ही उत्तर पुस्तिका में चिपकायें। ऐसा करना अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।

परीक्षार्थियों को दिशा निर्देश

1. प्रवेश पत्र एवं उत्तर पुस्तिका पर दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।
2. कवर पृष्ठ के दूसरी तरफ कुछ न लिखें।
3. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों पर दोनों तरफ लिखें।
4. प्रश्न पत्र पर अपने अनुक्रमांक के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
5. प्रश्न पत्र कोड एवं प्रश्न पत्र ID सावधानी पूर्वक लिखें।
6. अपनी स्थिति स्पष्ट लिखें।
7. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों की संख्या देखें। अगर उत्तर पुस्तिका में पृष्ठ (1-24) से कम है या फटे हुए है, तो परीक्षा शुरू होने के पूर्व दूसरी उत्तर पुस्तिका ले लें।
8. प्रश्नपत्र को देख, यदि प्रश्नपत्र के विषय कोड, विषय का नाम तथा प्रश्न में कोई त्रुटि है तो उसको परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट के अन्दर कक्ष निरीक्षक को तत्काल सूचित करें, उसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जायेगी।
9. प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये पेंसिल का प्रयोग न करें।
10. बी कॉपी या अतिरिक्त ग्राफ नही दिया जायेगा।

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE

1. Read the instructions carefully given on the Question Paper, Admit Card & Answer Script.
2. Do not write anything on back side of the cover page.
3. Write on both sides of pages of answer book.
4. Do not write anything on question paper except Roll Number.
5. Write Paper Code & Question Paper Id carefully.
6. CHECK the number of pages (1-24) or any other kind of damage in your answer script, if found than change the answer script immediately before the commencement of examination.
7. CHECK the Question Paper for any kind of discrepancy e.g. Subject Code, Subject Name, and Question of the Question Paper during first THIRTY MINUTES of the commencement of the exam, so that it can be corrected in TIME. After that no corrections shall be entertained by the university.
8. Do not use pencil for answering the question.
9. Write status correctly e.g. those appearing in carry over papers should fill in status as Carry Over. Those appearing as Ex- Students should fill in status as ex.
10. No supplementary answer book & graph paper will be provided.

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-IV

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in ☐ Boxes.
2. Use blue or black ball point pen for filling the circles.

	1	8	1	5	4	3	2	1	6	9
0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
1	●	1	●	1	1	1	1	●	1	1
2	2	2	2	2	2	2	●	2	2	2
3	3	3	3	3	3	●	3	3	3	3
4	4	4	4	4	●	4	4	4	4	4
5	5	5	5	●	5	5	5	5	5	5
6	6	6	6	6	6	6	6	6	●	6
7	7	7	7	7	7	7	7	7	7	7
8	8	●	8	8	8	8	8	8	8	8
9	9	9	9	9	9	9	9	9	9	●

Note- If your Roll No. is of 10 digits. Please leave first three columns .

Paper Code
A 3 2 0 1 0 1 T

1

खण्ड - अ

उत्तर - 1 (a)

वादी - किसी राग में जिस स्वर का प्रयोग सर्वाधिक होता है अथवा जिस स्वर पर ठहराव बार-बार होता है उस स्वर को उस राग का वादी स्वर कहते है

"राग रूपी राज्य में वादी स्वर को राजा की उपाधि प्राप्त है।"

राग यमन का वादी स्वर गांधार (ग) है।

संवादी - किसी राग का वह स्वर जिसका प्रयोग वादी स्वर से कम परन्तु अन्य स्वरों की तुलना में अधिक होता है वह उस राग का संवादी स्वर कहलाता है।

"राग रूपी राज्य में संवादी स्वर को मंत्री की उपाधि प्राप्त है।"

राग यमन का संवादी स्वर निषाद (नि) है।

उत्तर - 1 (b)

आन्दोलन - संगीत में कम्पनों को आन्दोलन की संज्ञा दी गयी है।

जब किसी वाद्य (तन्त्री) तानपुरा या सितार के तारों को स्पर्श करते है अथवा छेड़ते है तो उनसे उत्पन्न होने वाले कम्पनों को आन्दोलन कहते है।

जब तार एक बार ऊपर एक बार नीचे जाकर पुनः अपने स्थान पर आता है तो उसे एक आन्दोलन कहा जाता है।

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code: A320101T

आंदोलन मुख्यतः दो प्रकार के होते है!
1. नियमित आंदोलन
2. अनियमित आंदोलन

अन्य आन्दोलन प्रकार – 1. स्थिर आन्दोलन
2. अस्थिर आन्दोलन

उत्तर – 1(c)

श्रुति ध्वनि की प्रथम अवस्था है। वह हील से होला नाद जिसे स्पष्ट सुना जा सके तथा समझा जा सके श्रुति कहलाता है!
श्रुतियों की संख्या 22 है!

उत्तर – 1(d)

नि सा ग म ध नि सां – मालकौंस राग का आरोह है!
मालकौंस भैरवी थाट का राग है इसमे रे, प वर्जित होते है!
यह राग रात्रि के तृतीय प्रहर मे गाया जाने वाला राग है।

Paper Code
A 3 2 0 1 0 1 T

3

उत्तर - 1(e)

वादी – जिस स्वर का प्रयोग किसी राग में सर्वाधिक किया जाता है अथवा जिस स्वर पर अधिक बार ठहराव किया जाता है वह उस राग का वादी स्वर कहलाता है।
"राग रूपी साम्राज्य में वादी स्वर को **राजा** की उपाधि प्राप्त है।"
उदाहरण – मालकौंस का वादी स्वर - मध्यम (म)

संवादी – जिस स्वर का प्रयोग किसी राग में वादी स्वर से कम परन्तु अन्य स्वरों की तुलना में अधिक किया जाता है संवादी स्वर कहलाता है।
राग का यह दूसरा महत्वपूर्ण स्वर होता है।
"राग रूपी साम्राज्य में संवादी स्वर को ~~मंत्री~~ की उपाधि प्राप्त है।"
उदाहरण – मालकौंस का संवादी स्वर - षड्ज (सा)

उत्तर - 1(f)

गान क्रियोच्यते वर्णा - अर्थात गाने की क्रिया को वर्ण कहते है।
वर्ण मुख्यतः चार प्रकार के होते है। 1. आरोही वर्ण
2. अवरोही वर्ण
3. स्थायी वर्ण
4. संचारी वर्ण

स्थायी वर्ण –

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code A320101T

उत्तर - 1(g)

पं. व्यंकटमुखी दक्षिण के विद्वान हैं। दक्षिण में 19 थाट माने गये हैं तथा व्यंकटमखी जी ने 72 थाटों की रचना की है।

उत्तर 1(h)

षड्ज ग्राम में 7 मूर्छनायें होती हैं

उत्तर - 1(i)

धा गे न ति | न क, धि न - यह कहरवा ताल का ठेका है।

- यह ताल 8 मात्रा की ताल होती है।
- इसके दो विभाग होते हैं
- इसमें ताली 1 पर तथा खाली 5 पर होता है।

Paper Code
A 3 2 0 1 0 1 T

5

खण्ड (ब)

उत्तर - 4.

तीनताल - तीनताल को तितल भी कहा जाता है। यह बन्द बोलों की ताल है अर्थात इस ताल का वादन तबले पर किया जाता है। यह अत्यन्त प्रचलित ताल है। इस ताल में ख्याल गायन होली गायी जाती है। इस ताल में 16 मात्रा होती है।

ठेका

मात्रा -	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
बोल -	धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
चिन्ह -	X				2				0				3			

दुगुन

मात्रा -	1		2		3		4		5		6		7		8	
बोल -	धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
चिन्ह -	X								2							

मात्रा -	9		10		11		12		13		14		15		16	
बोल -	धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
चिन्ह -	0								3							

विशेषतायें -
- तीन ताल में तोड़ा, टुकड़ा, परन आदि बजाया जाता है।
- यह एक चलत जाति की ताल है।

Paper Code A 3 2 0 1 0 1 T

खण्ड - स

उत्तर - 8

राग यमन -

प्रथम प्रहर निशि गाइए
ग, नि कर संवाद
जाति सम्पूर्ण, तीव्र मध्यम
यमन आश्रय राग।

राग यमन कल्याण थाट का राग है इसका पूर्व नाम कल्याण था बाद में मुस्लिमों ने इसका नाम बदलकर यमन कर दिया।
राग यमन एक आश्रय राग है इसका गायन रात्रि के प्रथम प्रहर में किया जाता है।

थाट - कल्याण थाट
राग - यमन
वादी - गंधार (ग)
संवादी - निषाद (नि)
स्वर - मध्यम तीव्र (मं) शेष स्वर शुद्ध
वर्जितस्वर - कोई नही
गायन समय - रात्रि का प्रथम प्रहर
जाति - सम्पूर्ण - सम्पूर्ण
समप्रकृति राग - शुद्ध कल्याण, पुरिया कल्याण
प्रकृति - गंभीर प्रकृति
चलन - तीनों सप्तकों में

आरोह - ऩि रे ग मं प ध नि सां

अवरोह - सां नि ध प मं ग रे सा

पकड़ – नि रे ग रे सा, प मं ग रे नि रे सा

विशेषतायें – • राग राग (अपनी थाट के नाम से भी जाना जाता है (अर्थात यह एक आश्रय राग है।

- यमन राग में कोई भी स्वर वर्जित नहीं है।
- इसमें सभी स्वरों का प्रयोग होता है अतः इस राग की जाति सम्पूर्ण–सम्पूर्ण है।
- यह एक ~~उत्तरांग~~ पूर्वांग प्रधान राग है क्योंकि इसका वादी स्वर सप्तक के पूर्वार्ध से होता है।

Paper Code

A 3 2 0 1 0 1 T

8

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code A 3 2 0 1 0 1 T

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

10

Paper Code

11

X

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

12

Paper Code

X

Paper Code

14

Do Not Write anything in this Portion

X

Paper Code

15

X

Paper Code

16

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

17

X

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

X

Paper Code

X

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

20

X

Paper Code

21

X

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

22

X

Paper Code

23

Paper Code

24

Do Not Write anything in this Portion